



राष्ट्रीय शिक्षा नीति -2020

COUNTRYSIDE INTERNATIONAL SCHOOL

भारतीय शिक्षा की विकास यात्रा

- राष्ट्रीय शिक्षा नीति– 1986 (त्रिभाषा सूत्र)
- राष्ट्रीय शिक्षा नीति – 2020

(भाषायी विविधता को संरक्षण)



राष्ट्रीय शिक्षा नीति– 1986

COUNTRYSIDE INTERNATIONAL SCHOOL

- स्वतंत्र भारत में शिक्षा पर यह पहली नीति कोठारी आयोग (1964-1966) की सिफारिशों पर आधारित थी।
- शिक्षा को राष्ट्रीय महत्त्व का विषय घोषित किया गया।
- 14 वर्ष की आयु तक के सभी बच्चों के लिये अनिवार्य शिक्षा का लक्ष्य |
- नीति ने प्राचीन संस्कृत भाषा के शिक्षण को भी प्रोत्साहित किया, जिसे भारत की संस्कृति और विरासत का एक अनिवार्य हिस्सा माना जाता था।
- माध्यमिक स्तर पर 'त्रिभाषा सूत्र' लागू करने का आह्वान किया गया।



त्रिभाषा सूत्र

'त्रि-भाषा सूत्र' तीन भाषाओं हिंदी , अंग्रेजी और संबंधित राज्यों की क्षेत्रीय भाषा से संबंधित है | जिसमें तीन भाषाओं में पढ़ाई की व्यवस्था का परामर्श दिया गया था | आयोग का कहना था कि माध्यमिक स्तर पर प्रादेशिक भाषा ,हिंदी भाषा और अंग्रेजी भाषा की शिक्षा दी जाए |



भाषायी विविधता को संरक्षण--

- NEP-2020 में कक्षा-5 तक की शिक्षा में मातृभाषा/ स्थानीय या क्षेत्रीय भाषा को अध्यापन के माध्यम के रूप में अपनाने पर बल दिया गया है, साथ ही इस नीति में मातृभाषा को कक्षा-8 और आगे की शिक्षा के लिये प्राथमिकता देने का सुझाव दिया गया है।



स्कूली और उच्च शिक्षा में छात्रों के लिये संस्कृत और अन्य प्राचीन भारतीय भाषाओं का विकल्प उपलब्ध होगा परंतु किसी भी छात्र पर भाषा के चुनाव की कोई बाध्यता नहीं होगी।



राष्ट्रीय शिक्षा नीति – 2020

COUNTRYSIDE INTERNATIONAL SCHOOL

"पढ़ों, लिखा है दीवारों पर मेहनतकश का नारा
पढ़ों, पोस्टर क्या कहता है, वो भी दोस्त तुम्हारा,
पढ़ों, अगर अंधविश्वासों से पाना है छुटकारा
पढ़ों, किताबें कहती हैं सारा संसार तुम्हारा |"

यह पंक्तियाँ जीवन में शिक्षा की आवश्यकता ही नहीं बल्कि उसके महत्त्व को भी रेखांकित करती हैं। ।



COUNTRY SIDE INTERNATIONAL SCHOOL

जीवन में शिक्षा के महत्त्व को देखते हुए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से वर्तमान सरकार ने शिक्षा क्षेत्र में व्यापक बदलावों के लिये नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति को मंजूरी दे दी है। उम्मीद है यह शिक्षा नीति शिक्षा क्षेत्र में नवीन और सर्वांगीण परिवर्तनों की आधारशिला रखेगी |



THANK YOU